भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1761

जिसका उत्तर दिनांक 17.03.2022 को दिया जाना है

देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण

1761 श्री जॉन ब्रिटास :

डा. कनिमोझी एनवीएन सोमू :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की देश में परमाणु ऊर्जा के नए संयंत्रों का निर्माण करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा इस संबंध में कोई निधि अभी निर्धारित की गई है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) मौजूदा परियोजनाओं में विस्तार योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) से (घ) एनपीसीआईएल द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 10 रिएक्टर (केएपीपी-3 सहित जो पहले ही ग्रिड से जोड़ दिया गया है) और भाविनी द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा एक रिएक्टर पीएफबीआर (500 मेगावाट) निर्माणाधीन हैं । विवरण निम्नलिखित है :

राज्य	स्थान	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	संस्वीकृत लागत (रू. करोड़ में)
गुजरात	काकरापार	केएपीपी – 3[$] तथा 4	2 X 700	11459[#]
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी - 7 तथा 8	2 X 700	12320[*]
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी - 3 तथा 4	2 X 1000	39849
		केकेएनपीपी - 5 तथा 6	2 X 1000	49621
	कल्पाक्कम	पीएफबीआर[&]	1 X 500	6840
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी - 1 तथा 2	2 X 700	20594

'$' केएपीपी-3 (700 मेगावाट) को 10 जनवरी, 2021 को ग्रिड से जोड़ दिया गया है । '&' भाविनी द्वारा क्रियान्वित

'#' संशोधन के अधीन रुपए 19220 करोड़ '' संशोधन के अधीन रुपए 17079 करोड़*

इसके अतिरिक्त, सरकार ने शीघ्रगामी (फ्लीट) मोड में स्थापित किए जाने के लिए प्रत्येक 700 मेगावाट की क्षमता के दस स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टरों के लिए प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है । विवरण निम्नलिखित है:

राज्य	**स्थान**	**परियोजना**	**क्षमता (मेगावाट)**	**संस्वीकृत लागत (रू. करोड़ में)**
कर्नाटक	कैगा	कैगा-5 तथा 6	2 X 700	105000
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी– 3 तथा 4	2 X 700	
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका-1 तथा 2	2 X 700	
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा -1 तथा 2	2 X 700	
		माही बांसवाड़ा -3 तथा 4	2 X 700	

निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, 6780 मेगावाट की वर्तमान क्षमता वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट पहुंचने की आशा है (भाविनी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे पीएफबीआर सहित)

(ङ) निर्माणाधीन परियोजनाओं और प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के विस्तार के लिए वर्तमान में कोई योजना नहीं है ।

* * * * *